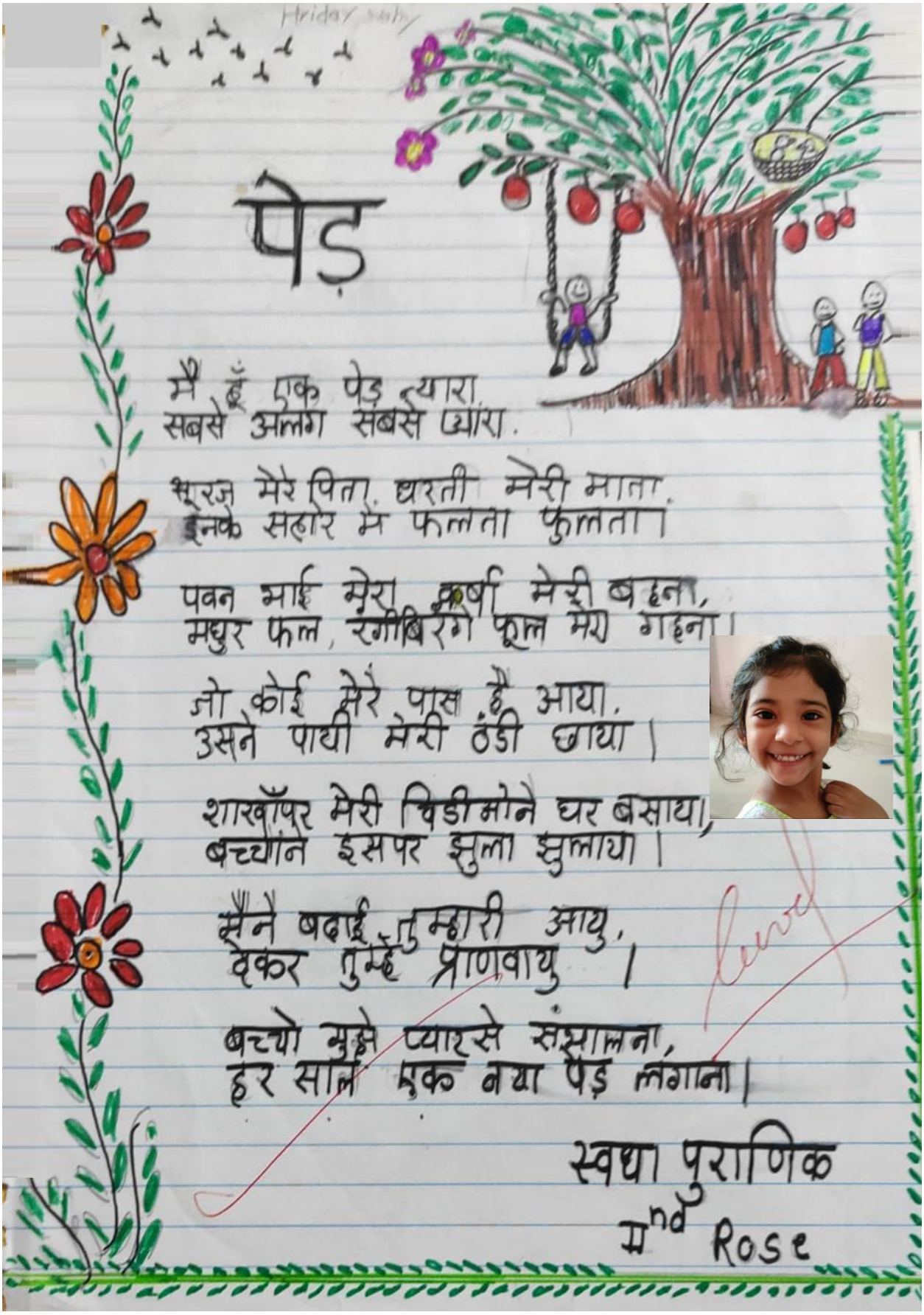

पेड़

मैं हूँ एक पेड़ प्यारा,
सबसे अलग सबसे प्यारा.

सूरज मेरे पिता, धरती मेरी माता,
इनके सहारे मैं फलता फुलता।

पवन भाई मेरा, वर्षा मेरी बहना,
मधुर फल, रंगीबिरंगी फूल मेरा गहना।

जो कोई मेरे पास है आया,
उसने पायी मेरी ठंडी छाया।

शाखॉपर मेरी चिडीयोंने घर बसाया,
बच्चोंने इसपर झुला झुलाया।

मैंने बढाई तुम्हारी आयु,
देकर तुम्हें प्राणवायु।

बच्चो मुझे प्यारसे संभालना,
हर साल एक नया पेड़ लगाना।

स्वधा पुराणिक
IInd Rose